रात्रि क्लास 30-8-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

मनुष्यों को एक बाप की पहचान मिल जाये और समझ जाये तो बेड़ा पार हो जाये। समझे बेहद के बाप से बेहद का वरसा मिलता है। सतसंग, मंदिर, ठिकाने आदि कितने हैं। कितने गुरु हैं। याद भी करते हैं बाप को, ऐसे भी कहते हैं दुःख हर्ता सुख कर्ता। अभी मनुष्यों को दुःख भी है। सुख होते ही हैं नई दुनिया में। बच्चे जानते हैं अभी तो पुरानी दुनिया है। बाप आये तब नई दुनिया स्थापन करे। बाकी गुरु गुसाई आदि से कुछ फायदा नहीं होता। समझाने के लिए कितने बड़े2 म्युजियम खोले जाते हैं। बाप ही सभी चित्र बना रहे हैं। ऐसा कोई की बुधि में है नहीं जो समझे। तुम समझा सकते हो। तुमने ही समझा है। जो समझ जाते हैं वह समझाते हैं दुनिया में सभी बेसमझ ही हैं। बेसमझ कहा जाता है भक्ति मार्ग को। समझ कहा जाता है ज्ञानमार्ग को। ज्ञान का सागर एक है। उनको प्यार का सागर भी कहा जाता है। सुख का सागर भी कहा जाता है। सभी का सागर है। सिर्फ एक बाप को जाने जावे तो सभी दुःख दूर हो जाये। तुम बाप का परिचय देते हो कि कैसे बेहद का वर्सा देते हैं। वह फिर कुले बिल्ले में कह कितनी ग्लानी करते हैं। मैं तो आकर बच्चों को वारिस बनाता हूं। भक्ति मार्ग में ग्लानी करते2 तमोप्रधान बन गये हैं। बाप कहते हैं तुम मेरी भी ग्लानी करते हो। जो तुम मालिक बनते हो अपनी भी ग्लानी करते हो। बाप कहते हैं ऐसी ग्लानी की बातें मत सुनो। सुनने लायक मीठी2 बातें कोई सुनाते ही नहीं। ग्लानी ग्लानी करते रहते हैं। कृष्ण की भी, राम की भी ग्लानी। सभी तमो० बन जाते हैं। उन्हों की ग्लानी तो नहीं करनी चाहिए। उनको तो काला नहीं बनाना चाहिए ना। राम जब राज्य करते हैं तो उस समय तो काला नहीं है। पतित बनते हैं तो फिर नाम रूप बदल जाता है। फिर उनको क्यों काला करना चाहिए। तुम सर्विस करते हो प्रभात फेरी निकालते हो। समझाते हो बाप को याद करो। आवाज करना पड़ता है। नहीं तो तुम बच्चों को आवाज की भी दरकार नहीं। अजपा जाप याद करना है। मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूल वतन भी बुधि में है। बाप अपना परिचय देते हैं। बाप ने बच्चों को समझाया। फिर बच्चों का काम है औरों को समझाना। आप समान सौभाग्यशाली बनाना। नोट लेती हो धारण करने के लिए। तो धारण कर धारणा कराना है। आगे चल तुमको मकान आदि सभी फ्री मिलते रहेंगे। गवर्नर कहेंगे हमारे मकान में एदर्शनी करो। गवर्नर को कोई रोक थोड़ेई सकेगा। तो स्वदर्शनधारी बनने से स्वर्ग का महाराजा चक्रवर्ती राजा बनेंगे। आठ जन्म महाराजा फिर 12 जन्म राजा बनेंगे। यह बातें और कोई समझा न सके। वह सब शास्त्र ही सुनाते। यहां तो शास्त्र की बात नहीं। भक्ति मार्ग है गपोड़ा मार्ग अथवा गस्सा मार्ग। राम की सीता चोरी हो गई। गपोड़ा है ना। इनसल्ट है। कैसे करना चाहिए। भगवति सीता भगवान राम के लिए कैसे बातें कहते हैं। कितनी भारत में ग्लानी करते हैं। अपने ही देवताओं की। छोटी2 बच्चियां बड़ों को बैठ समझावे तो कहेंगे बराबर यह तो ग्लानी करते हैं। यह भक्ति ठहरी या ठगती। भक्ति मार्ग दुर्गति मार्ग है। यह कोई नहीं जानते हैं। भगवान आकर सदगति करते हैं जो जरूर भक्ति से दुर्गति हुई ना। इतनी सहज बात भी कोई की बुधि में नहीं बैठती। अभी बाप ने समझाया है तब तुम भी समझते हो। अभी तुम इतने समझदार बनते हो। बाप आकर चक्र का राज समझाते हैं। यह भी कोई जानते नहीं कि हम शुद्ध सम्प्रदाय के हैं। यह सब धीरे समझना होता है। पाइन्ट्स अपने पास नोट करनी चाहिए। रचना और रचयिता के आदि मध्य अन्त को को तो कोई भी नहीं जानते हैं। रचयिता बाप ही सुना सकते हैं। जिसको भगवान कहा जाता है। आखिर पूँगे कहां है? और वह रथ परसवार हो आते हैं। भाग्यशाली रथ है ना। औरों का भी कल्याण करना है। औरों का कल्याण नहीं करते हैं तो गोया अपना भी कल्याण नहीं करते हैं।

अच्छा मीठे2 रूहानी सिकीलधे बच्चों प्रति रूहानी बाप व दादा का याद प्यार गुडनाईट।

रूहानी मीठे2 बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते। नमस्ते।

:- शिव बाबा और स्वर्ग की बादशाही याद है?:-